www.onlineBU.com www.onlineBU.com

Law of Torts and Consumer - 2015

http://www.onlinebu.com

नोट- किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Q.1. दुष्कृति विधि की विभिन्न परिभाषायें लिखिए एवं भारत में अपकृत्य विधि के उद्विकास को समझाइए।
Write the various definition of the term "Tort". And explain the evolution of Tort in India.

Q.2. मानहानि से आप क्या समझते हैं? इसके आवश्यक तत्त्व लिखिए। अपलेख एवं अपवचन में भेद कीजिए।
What do you mean by Defamation. Write its essential element. Differentiate libel and slander.

Q.3. प्रतिनिहित दायित्व से क्या तात्पर्य है? स्वामी अपने सेवक द्वारा किये गये अपकृत्यों के लिये कब उत्तरदायी होगा?
What do you mean by "Vicarious liability"? When would the master be liable for wrongful acts of his servant.

Q.4. अंशदायी असावधानी के सिद्धान्त को समझाइए। "असावधानी आवरण है। मानसिक स्थिति नहीं"? समीक्षा कीजिए।
Explain the Doctrine of 'Contributory Negligence'. Negligence is a conduct not a state of mind'. Comment it.

Q.5. "विद्वेषपूर्ण अभियोजन" क्या है? इन प्रकरणों से बचाव के क्या आधार प्राप्त होते हैं?
What is malicious prosecution? What defences are available in such cases.

Q.6. दुष्कृतियों के लिये न्यायिक तथा न्यायिकेतर उपचारों से आप क्या समझते हैं? विस्तार से वर्णन कीजिये।
What do you understand by Judicial and extra Judicial remedies for Torts? Explain them in detail.

Q.7. "उपताप एक दीवानी एवं आपराधिक अपकार है" वादों की सहायता से समझाइए।
"Nuisance is a civil and criminal wrong". Explain with cases.

Q.8. वाद चलाने का अधिकार मृतक के साथ ही समाप्त हो जाता है। इस कथन की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
Explain and illustrate the Maxim "Action Persehapes moriter Persona".

Q.9. उपभोक्ता कौन है? उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 की विशेषताएं लिखिए।
Who is consumer? Write the characteristics of consumer protection Act 1986.

Q.10. राज्य उपभोक्ता संरक्षण परिषद के गठन, कार्य एवं उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए।
Discuss the organisation functions and object of the state consumer protection council.

www.onlineBU.com www.onlineBU.com